an>

Title: Demand for mandatory hallmark certification for gold jewellery.

श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी) : महोदया, भारतीय संस्कृति के अनुसार शादी-विवाह से लेकर त्योहार व मांगलिक अवसरों पर सोने-चाँदी के गहने खरीदने और पहनने की परम्परा है।...(व्यवधान) प्रत्येक व्यक्ति अपनी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति अनुसार सोने-चाँदी के जेवर खरीदता है और ये गहने उसके लिए आर्थिक सुरक्षा का भी काम करते हैं।...(व्यवधान) हमारे देश की आबादी का एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्र में रहता है, जिसमें सोने-चाँदी का व्यवसाय ज्यादातर स्थानीय व्यावसायियों द्वारा किया जाता है, जो हॉलमार्क के जेवर नहीं बेचते हैं।...(व्यवधान) ग्रामीण क्षेत्रों में सोने-चाँदी के जेवरों की अशुद्धता का प्रतिशत सोने में 30 से 35 प्रतिशत तक और चाँदी में 50 प्रतिशत और कहीं-कहीं इससे भी अधिक होता है।...(व्यवधान) लोक सभा में दिनांक 29.11.2016 को एक प्रश्न के उत्तर में बताया गया है कि हमारे देश में हॉलमार्क जेवर बेचने की बाध्यता नहीं है और उपभोक्ता मामलों के मंत्री जी ने यह भी बताया था कि जांच करने पर अशुद्धता का प्रतिशत 11 से 13.50 प्रतिशत सोने के जेवरों में पाया गया है, परन्तु यह औसत है जबकि शहरों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में अशुद्धता अधिक है।...(व्यवधान) मंत्री जी ने उत्तर में बताया था कि हॉलमार्क केंद्रों की संख्या गुजरात, केरल, तमिलनाडु में जहां क्रमशः 48, 45 और 54 की है, वहीं उत्तर प्रदेश, जो 22 करोड़ जनसंख्या का प्रदेश है, वहां केवल 16 हॉलमार्क केंद्र हैं।...(व्यवधान)

मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं, चूंकि सोने-चाँदी के जेवरों की खरीद लोग बचत व पूंजी के तौर पर भी करते हैं, इनकी अशुद्धता से लोगों का बहुत आर्थिक नुकसान होता है। अतः सोने-चाँदी के जेवरों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए हॉलमार्क की अनिवार्यता की जाए तथा उत्तर प्रदेश में हॉलमार्क केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल,

श्री राघव लखनपाल,

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री रोड़मल नागर,

श्री शरद त्रिपाठी और

डॉ. किरीट पी. सोलंकी को श्री अजय मिश्रा टेनी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€¦(व्यवधान)